



The ACHIEVERS IAS ACADEMY PATNA

Daily NEWS CHRONICLE

IDEAL FOR

For UPSC/BPSC & For other Exams

Hindi

NEWS CREDIT

PIB/ PTI/ News On Air/ The Hindu/ IANS/ Business Standard/ Times Of India/ Deccan Herald/ Hindustan Times/ BBC News/ Aljazeera/ Mirror.Uk/ Times Now/ Economic Times/ Financial Express/ Indian Express...

NEWS COVERED

Business News, financial news, economy news, company news, politics news, India news, breaking news, Indian economy, International News, Sports News, and many more topics...



Friday, August 07, 2026



+91 8434931877



www.achieversiaspatna.co.in



achieversiaspatna@gmail.com

दिन की प्रमुख घटनाएं

- एयर इंडिया ने टाटा समूह एयरलाइन परिवर्तन रणनीति का नेतृत्व करने के लिए टेवोल्डे ग्रेब्रेमरियम को सीईओ के रूप में नियुक्त किया।
- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) एनएवीआईसी नेविगेशन प्रणाली को मजबूत बनाने वाले एनवीएस-03, एनवीएस-04 और एनवीएस-05 उपग्रहों का प्रक्षेपण करेगा।
- ईरान और ओमान सुरक्षित व् यापार के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य के नए मार्ग पर सहमत।
- टीवी सोमनाथन और गोविंद मोहन को सेवा कार्यकाल में एक साल का विस्तार मिला है।
- बड़ौदा बीएनपी परिबास म्यूचुअल फंड ने मधु नायर को ग्रोथ के सीईओ के रूप में नियुक्त किया।
- सन परियोजना उपग्रहों, जीपीएस और बिजली बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के लिए सौर तूफान निगरानी को बढ़ाती है।
- ब्रिक्स ने भ्रष्ट टाचार विरोधी सहयोग के लिए भारत के कानून प्रवर्तन नेटवर्क के प्रस्ताव को मंजूरी दी।
- बोस्टन और मैसाचुसेट्स ने भारतीय प्रवासियों के योगदान के सम्मान में 15 अगस्त को भारत दिवस की घोषणा की।
- मंत्रिमंडल ने बायोगैस उत्पादन और किसानों की आय बढ़ाने के लिए 23,731 करोड़ रुपये की गोबरधन योजना को मंजूरी दी।
- एफसीआरए संशोधन विधेयक 2026 पारदर्शिता के माध्यम से विदेशी वित्त पोषित संगठनों की निगरानी को मजबूत करता है।
- भारतीय रेलवे ने देश भर में कंटेनर ट्रेन ऑपरेटरों के लिए एकल अखिल भारतीय लाइसेंस की शुरुआत की।

एयर इंडिया ने इथियोपियन एयरलाइंस के पूर्व प्रमुख टेवोल्डे गेब्रेमरियम को नया सीईओ नियुक्त किया



यह खबरों में क्यों है?

- एयर इंडिया ने इथियोपियाई एयरलाइंस के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी टेवोल्डे गेब्रेमरियम को अपना नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) नियुक्त किया है। वह टाटा समूह के तहत एयरलाइन के परिवर्तन के अगले चरण का नेतृत्व करेंगे।

मुख्य बिंदु

- टेवोल्डे गेब्रेमरियम को एयर इंडिया के सीईओ और एमडी के रूप में नियुक्त किया गया है।
- वह कैपबेल विल्सन की जगह लेंगे, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में इस्तीफा दे दिया था।
- टेवोल्डे ने पहले इथियोपियाई एयरलाइंस के सीईओ के रूप में कार्य किया, जहां उन्होंने इसे अफ्रीका की सबसे बड़ी एयरलाइन में बदल दिया।
- उनके नेतृत्व में, इथियोपियाई एयरलाइंस ने अपने बेड़े, वैश्विक नेटवर्क और राजस्व का काफी विस्तार किया, जबकि COVID-19 महामारी और बोइंग 737 मैक्स संकट जैसे प्रमुख संकटों का सफलतापूर्वक प्रबंधन किया।
- उनकी नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब एयर इंडिया टाटा समूह के तहत अपने आधुनिकीकरण और कार्याकल्प कार्यक्रम को जारी रखे हुए है।

एयर इंडिया के बारे में:

- एयर इंडिया की स्थापना 1932 में जेआरडी टाटा द्वारा टाटा एयरलाइंस के रूप में की गई थी। 1953 में इसका राष्ट्रीयकरण किया गया और 2022 में टाटा समूह में वापस आ गया। तब से, एयरलाइन बेड़े के विस्तार, सेवा में सुधार और नेटवर्क आधुनिकीकरण के माध्यम से एक बड़ा परिवर्तन कर रही है।

महत्व

- टेवोल्डे गेब्रेमरियम की नियुक्ति से वैश्विक विमानन विशेषज्ञता, परिचालन उत्कृष्टता और मजबूत नेतृत्व लाकर एयर इंडिया के पुनरुद्धार को मजबूत करने की उम्मीद है। इथियोपियाई एयरलाइंस को बदलने में उनके अनुभव से एयर इंडिया को दक्षता, ग्राहक सेवा और अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में सुधार करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

परीक्षा फोकस पॉइंट

- | |
|--|
| • एयरलाइन: एयर इंडिया। |
| • नए सीईओ और एमडी: टेवोल्डे गेब्रेमरियम। |
| • पूर्ववर्ती: कैपबेल विल्सन। |
| • पिछला संगठन: इथियोपियाई एयरलाइंस। |
| • एयर इंडिया के मालिक: टाटा समूह। |
| • टाटा समूह में वापसी: 2022। |
| • के रूप में स्थापित: टाटा एयरलाइंस। |
| • संस्थापक: जेआरडी टाटा। |
| • स्थापित: 1932। |

इसरो नेविगेशन प्रणाली को मजबूत करने और भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों का समर्थन करने के लिए तीन और एनएवीआईसी

उपग्रहों का प्रक्षेपण करेगा



यह खबरों में क्यों है?

- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) भारत की स्वदेशी उपग्रह नेविगेशन प्रणाली को मजबूत करने के लिए दूसरी पीढ़ी के तीन एनएवीआईसी उपग्रहों-एनवीएस-03, एनवीएस-04 और एनवीएस-05 को लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है। इसरो लो अर्थ ऑर्बिट (एलईओ) टकराव के जोखिमों को कम करने और गगनयान और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएसएस) जैसे भविष्य के मिशनों का समर्थन करने के लिए भी उपाय कर रहा है।

मुख्य बिंदु

- इसरो एनएवीआईसी तारामंडल को मजबूत करने के लिए एनवीएस-03, एनवीएस-04 और एनवीएस-05 लॉन्च करेगा।
- नए उपग्रह पूरे भारत और आस-पास के क्षेत्रों में स्थिति, नेविगेशन और समय (पीएनटी) सेवाओं में सुधार करेंगे।
- इसरो लो अर्थ ऑर्बिट (एलईओ) में उपग्रहों के टकराव के जोखिम को कम करने के लिए अंतरिक्ष स्थितिजन्य जागरूकता बढ़ा रहा है।
- ये प्रयास गगनयान और नियोजित भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएसएस) सहित आगामी मिशनों का समर्थन करेंगे।
- दूसरी पीढ़ी के एनएवीआईसी उपग्रह स्वदेशी परमाणु घड़ियों को ले जाते हैं, जिससे नेविगेशन सेवाओं की विश्वसनीयता और सटीकता में सुधार होता है।

NavIC क्या है?

- NavIC (नेविगेशन विद इंडियन कॉन्स्टेलेशन) इसरो द्वारा विकसित भारत की स्वदेशी क्षेत्रीय उपग्रह नेविगेशन प्रणाली है। यह भारत में और अपनी सीमाओं से 1,500 किमी तक सटीक पोजिशनिंग, नेविगेशन और टाइमिंग (पीएनटी) सेवाएं प्रदान करता है।

लो अर्थ ऑर्बिट (LEO) क्या है?

- लो अर्थ ऑर्बिट (LEO) पृथ्वी से लगभग 160-2,000 किमी ऊपर स्थित अंतरिक्ष का क्षेत्र है। अधिकांश पृथ्वी अवलोकन उपग्रह, अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन और गगनयान जैसे भविष्य के मिशन इस कक्षा में संचालित होते हैं।

महत्व

- नए एनएवीआईसी उपग्रहों का प्रक्षेपण भारत की नेविगेशन क्षमताओं को बहाल और मजबूत करेगा, जीपीएस जैसी विदेशी प्रणालियों पर निर्भरता को

ईरान और ओमान होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से नए शिपिंग मार्ग पर सहमत हुए



यह खबरों में क्यों है?

- ईरान और ओमान दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल पारगमन चोकपॉइंट्स में से एक, होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से एक नए वाणिज्यिक शिपिंग मार्ग पर एक समझौते पर पहुंच गए हैं। समझौते का उद्देश्य सुरक्षित नेविगेशन को बहाल करना, वैश्विक व्यापार में व्यवधानों को कम करना और महीनों के क्षेत्रीय तनाव के बाद समुद्री सुरक्षा में सुधार करना है।

कम करेगा, राष्ट्रीय सुरक्षा में सुधार करेगा और भविष्य के मानव अंतरिक्ष उड़ान और अंतरिक्ष स्टेशन मिशनों का समर्थन करेगा। अंतरिक्ष मलबे की बेहतर निगरानी से कक्षा में काम करने वाले उपग्रहों की सुरक्षा भी बढ़ेगी।

परीक्षा फोकस पॉइंट

• संगठन: भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो)।
• मिशन: एनवीएस-03, एनवीएस-04 और एनवीएस-05 का प्रक्षेपण।
• नेविगेशन सिस्टम: NavIC (भारतीय नक्षत्र के साथ नेविगेशन)।
• उद्देश्य: पोजिशनिंग, नेविगेशन और टाइमिंग (पीएनटी) सेवाओं को मजबूत करना।
• कवरेज: भारत और अपनी सीमाओं से 1,500 किमी तक।
• कक्षा पर चर्चा की गई: लो अर्थ ऑर्बिट (LEO)।
• भविष्य के मिशनों का समर्थन: गगनयान और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएसएस)।
• मुख्य विशेषता: दूसरी पीढ़ी के NavIC उपग्रहों में स्वदेशी परमाणु घड़ियां।

आगे की राह

- शेष एनएवीआईसी उपग्रहों को निर्धारित समय पर लॉन्च करने, अंतरिक्ष मलबे की निगरानी को मजबूत करने और स्वदेशी अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों का विस्तार करने से भारत के नेविगेशन बुनियादी ढांचे, अंतरिक्ष सुरक्षा और भविष्य के मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशनों के लिए तैयारियों में वृद्धि होगी।

मुख्य बिंदु

- ईरान और ओमान ने होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से एक नए शिपिंग मार्ग के भौगोलिक निर्देशांक पर सहमति व्यक्त की है।
- इस समझौते का उद्देश्य वाणिज्यिक जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करना और सामान्य समुद्री यातायात को पुनर्जीवित करना है।
- इस व्यवस्था का उद्देश्य हाल के क्षेत्रीय संघर्षों के कारण वैश्विक तेल और कार्गो शिपमेंट में व्यवधान को कम करना है।
- समझौता स्वचालित रूप से जलमार्ग की सुरक्षा की गारंटी नहीं देता है, और कार्यान्वयन पर चर्चा अभी भी जारी है।

होर्मुज जलडमरूमध्य के बारे में

- होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ने वाला एक संकरा जलमार्ग है। दुनिया का लगभग 20% तेल व्यापार इस रणनीतिक मार्ग से होकर गुजरता है, जो इसे दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री चोकपॉइंट्स में से एक बनाता है।

महत्व

- यह समझौता वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के प्रवाह में सुधार कर सकता है, शिपिंग देरी और बीमा लागत को कम कर सकता है और क्षेत्रीय समुद्री सहयोग को मजबूत कर सकता है। होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से स्थिर नेविगेशन भारत जैसे ऊर्जा-आयात करने वाले देशों के लिए महत्वपूर्ण है, जो खाड़ी क्षेत्र से तेल आयात पर बहुत अधिक निर्भर करता है।

परीक्षा फोकस पॉइंट

- समझौता: होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से नया शिपिंग मार्ग।

• देश: ईरान और ओमान।
• जलमार्ग: होर्मुज जलडमरूमध्य।
• कनेक्ट: ओमान की खाड़ी और अरब सागर के साथ फारस की खाड़ी।
• महत्व: वैश्विक तेल व्यापार का लगभग 20% वहन करता है।
• उद्देश्य: सुरक्षित वाणिज्यिक शिपिंग सुनिश्चित करें और सामान्य समुद्री यातायात को बहाल करें।
• वर्तमान स्थिति: भौगोलिक मार्ग सहमत; कार्यान्वयन चर्चा जारी है।

आगे की राह

- निरंतर क्षेत्रीय सहयोग और समुद्री सुरक्षा उपायों के साथ समझौते का सफल कार्यान्वयन, दुनिया के सबसे रणनीतिक समुद्री मार्गों में से एक में स्थिरता बनाए रखते हुए निर्बाध वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक होगा।

कैबिनेट सचिव टीवी सोमनाथन और गृह सचिव गोविंद मोहन को एक साल का सेवा विस्तार मिला



यह खबरों में क्यों है?

- कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने कैबिनेट सचिव टीवी सोमनाथन और केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन की सेवा में एक साल के विस्तार को मंजूरी दे दी है। इस निर्णय का उद्देश्य शासन में निरंतरता और प्रमुख सरकारी नीतियों और प्रशासनिक सुधारों के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करना है।

मुख्य बिंदु

- कैबिनेट सचिव टीवी सोमनाथन को सेवा में एक साल का विस्तार दिया गया है।
- केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन को भी एक साल का सेवा विस्तार मिला है।
- मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने विस्तार को मंजूरी दे दी है।
- दोनों अधिकारी शासन, प्रशासन और राष्ट्रीय सुरक्षा के महत्वपूर्ण क्षेत्रों की देखरेख करना जारी रखेंगे।

कैबिनेट सचिव कौन है?

- कैबिनेट सचिव भारत सरकार में सबसे वरिष्ठ सिविल सेवक होता है और कैबिनेट सचिवालय का प्रमुख होता है। अधिकारी मंत्रालयों के बीच समन्वय करता है, निर्णय लेने में कैबिनेट की सहायता करता है, और भारतीय नौकरशाही के प्रमुख के रूप में कार्य करता है।

गृह सचिव कौन है?

- केंद्रीय गृह सचिव गृह मंत्रालय (एमएचए) के प्रशासनिक प्रमुख हैं। गृह सचिव आंतरिक सुरक्षा, कानून और व्यवस्था, सीमा प्रबंधन, आपदा प्रबंधन और केंद्र-राज्य संबंधों से संबंधित मामलों के लिए जिम्मेदार हैं।

परीक्षा फोकस पॉइंट

• कैबिनेट सचिव: टीवी सोमनाथन।
• गृह सचिव: गोविंद मोहन।
• विस्तार दिया गया: एक वर्ष।
• द्वारा स्वीकृत: कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी)।
• कैबिनेट सचिव: वरिष्ठतम सिविल सेवक और कैबिनेट सचिवालय का प्रमुख।
• गृह सचिव: गृह मंत्रालय के प्रशासनिक प्रमुख।
• प्रमुख जिम्मेदारियां: शासन, नीति समन्वय, आंतरिक सुरक्षा, कानून और व्यवस्था, और केंद्र-राज्य समन्वय।

बड़ौदा बीएनपी परिबास म्यूचुअल फंड ने मधु नायर को नया सीईओ नियुक्त किया



यह खबरों में क्यों है?

- बड़ौदा बीएनपी परिबास म्यूचुअल फंड ने मधु नायर को अपना नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। वह अपने म्यूचुअल फंड व्यवसाय का विस्तार करने, निवेशक सेवाओं को मजबूत करने और भविष्य के विकास को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने के साथ परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनी का नेतृत्व करेंगे।

मुख्य बिंदु

- मधु नायर को बड़ौदा बीएनपी परिबास म्यूचुअल फंड के सीईओ के रूप में नियुक्त किया गया है।
- उन्हें बैंकिंग और वित्तीय सेवा क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक का अनुभव है।
- इस नियुक्ति से पहले, उन्होंने बैंक ऑफ बड़ौदा में वरिष्ठ नेतृत्व की भूमिकाओं में कार्य किया।
- सीईओ के रूप में, वह कंपनी के उत्पाद की पेशकश का विस्तार करने, ग्राहक अनुभव में सुधार करने और भारत के म्यूचुअल फंड उद्योग में अपनी उपस्थिति बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करेंगे।
- उनकी नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब म्यूचुअल फंड उद्योग में खुदरा भागीदारी और प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियों (एयूएम) में मजबूत वृद्धि देखी जा रही है।

बड़ौदा बीएनपी पारिबा म्यूचुअल फंड के बारे में

- बड़ौदा बीएनपी परिबास म्यूचुअल फंड एक एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) है जिसका गठन बैंक ऑफ बड़ौदा और बीएनपी परिबास एसेट मैनेजमेंट के बीच साझेदारी के माध्यम से किया गया है। यह पूरे भारत में निवेशकों को इक्विटी, डेट, हाइब्रिड और सॉल्यूशन-ओरिएंटेड म्यूचुअल फंड योजनाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है।

म्यूचुअल फंड क्या है?

- म्यूचुअल फंड एक निवेश वाहन है जो कई निवेशकों से पैसा जमा करता है और इसे शेयर, बॉन्ड, सरकारी प्रतिभूतियों और मुद्रा बाजार उपकरणों जैसी संपत्तियों में निवेश करता है। इन निवेशों को पेशेवर फंड प्रबंधकों द्वारा प्रबंधित किया जाता है, जिससे निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने और निवेश जोखिम को कम करने की अनुमति मिलती है।

परीक्षा फोकस पॉइंट

- | |
|--|
| • संगठन: बड़ौदा बीएनपी परिबास म्यूचुअल फंड। |
| • नए सीईओ: मधु नायर। |
| • उद्योग: म्यूचुअल फंड/परिसंपत्ति प्रबंधन। |
| • संयुक्त उद्यम: बैंक ऑफ बड़ौदा और बीएनपी परिबास एसेट मैनेजमेंट। |
| • उद्देश्य: म्यूचुअल फंड योजनाओं के माध्यम से निवेश प्रबंधन। |
| • प्रस्तावित उत्पाद: इक्विटी, ऋण, हाइब्रिड और समाधान-उन्मुख फंड। |
| • द्वारा प्रबंधित: पेशेवर फंड प्रबंधक। |

हवाई में SUN परियोजना सौर तूफानों की वैश्विक निगरानी को बढ़ाती है



यह खबरों में क्यों है?

- वैज्ञानिक सौर तूफानों की निगरानी और भविष्यवाणी में सुधार के लिए SUN (सन अंडरवॉच नेटवर्क) परियोजना के तहत हवाई के माउंट द्वीप पर स्थित एक दूरबीन का उपयोग कर रहे हैं। ये तूफान जीपीएस, उपग्रह संचार, रेडियो सिग्नल और पावर ग्रिड को बाधित कर सकते हैं, जबकि पृथ्वी के ध्रुवीय क्षेत्रों के पास शानदार ऑरोरा का उत्पादन भी कर सकते हैं।

मुख्य बिंदु

- सन (सन अंडरवॉच नेटवर्क) परियोजना सौर तूफानों की ट्रैकिंग और पूर्वानुमान में सुधार कर रही है।
- यह परियोजना सूर्य को लगातार देखने के लिए माउंट द्वीप, हवाई पर एक सौर दूरबीन का उपयोग करती है।

- यह वैज्ञानिकों को पृथ्वी पर पहुंचने से पहले सौर ज्वालाओं और कोरोनाल मास इजेक्शन (सीएमई) का पता लगाने में मदद करता है।
- बेहतर पूर्वानुमान जीपीएस, उपग्रह नेविगेशन, संचार प्रणाली, विमानन और बिजली नेटवर्क में व्यवधानों को कम कर सकता है।
- सौर तूफान ऑरोरा (उत्तरी और दक्षिणी रोशनी) बनाने के लिए भी जिम्मेदार होते हैं जब आवेशित कण पृथ्वी के वायुमंडल के साथ बातचीत करते हैं।

सौर तूफान क्या हैं?

- सौर तूफान सूर्य पर तीव्र गतिविधि के कारण होने वाली गड़बड़ी हैं, जैसे कि सौर ज्वालाएं और कोरोनाल मास इजेक्शन (सीएमई)। ये अंतरिक्ष में बड़ी मात्रा में आवेशित कण और विद्युत चुम्बकीय विकिरण छोड़ते हैं। जब वे पृथ्वी पर पहुंचते हैं, तो वे उपग्रहों, संचार प्रणालियों, नेविगेशन नेटवर्क और बिजली के बुनियादी ढांचे में हस्तक्षेप कर सकते हैं।

ऑरोरा क्या हैं?

- ऑरोरा रंगीन प्राकृतिक प्रकाश प्रदर्शन हैं जो तब उत्पन्न होते हैं जब सूर्य से आवेशित कण उत्तरी ध्रुव (ऑरोरा बोरेलिस) और दक्षिणी ध्रुव (ऑरोरा ऑस्ट्रेलिस) के पास पृथ्वी के ऊपरी वायुमंडल में गैसों से टकराते हैं।

महत्व

- सौर तूफानों की बेहतर निगरानी से सरकारों, एयरलाइंस, उपग्रह ऑपरेटरों और बिजली उपयोगिताओं को गंभीर अंतरिक्ष मौसम की घटनाओं से पहले निवारक उपाय करने में मदद मिलेगी। इससे दुनिया भर में संचार, नेविगेशन और बिजली प्रणालियों की सुरक्षा और विश्वसनीयता बढ़ेगी।

परीक्षा फोकस पॉइंट

• परियोजना: SUN (सन अंडरवॉच नेटवर्क)।
• टेलीस्कोप का स्थान: माउंट द्वीप, हवाई (यूएसए)।
• उद्देश्य: सौर तूफानों को ट्रैक करें और पूर्वानुमान लगाएं।
• प्रेक्षित घटनाएँ: सौर ज्वालाएँ और कोरोनाल मास इजेक्शन (सीएमई)।
• प्रभावित सिस्टम: जीपीएस, उपग्रह संचार, रेडियो सिग्नल, विमानन और पावर ग्रिड।
• प्राकृतिक घटना: ऑरोरा (ऑरोरा बोरेलिस और ऑरोरा ऑस्ट्रेलिस)।

आगे की राह

- वैश्विक अंतरिक्ष मौसम निगरानी नेटवर्क का विस्तार करने और सौर अवलोकन में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में सुधार से प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली मजबूत होगी, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की रक्षा होगी और आधुनिक तकनीक पर भविष्य के सौर तूफानों के प्रभाव को कम किया जा सकेगा।

ब्रिक्स भ्रष्टाचार विरोधी कार्य समूह कानून-प्रवर्तन नेटवर्क के लिए भारत के प्रस्ताव पर सहमत



- हैदराबाद में आयोजित ब्रिक्स भ्रष्टाचार विरोधी कार्य समूह (एसीडब्ल्यूजी) और संपत्ति वसूली पर ब्रिक्स विशेषज्ञ नेटवर्क की दूसरी बैठक कानून-प्रवर्तन चिकित्सकों के ब्रिक्स नेटवर्क की स्थापना के भारत के प्रस्ताव पर एक सैद्धांतिक समझौते पर पहुंच गई।
- प्रस्तावित नेटवर्क का उद्देश्य मौजूदा कानूनी तंत्र के पूरक के रूप में भ्रष्टाचार के मामलों में वांछित भगोड़े अपराधियों का पता लगाने और प्रत्यर्पण का समर्थन करने में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करना है।
- बैठक का आयोजन भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता 2026 के तहत कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (DoPT) द्वारा किया गया था।

प्रस्तावित ब्रिक्स नेटवर्क होगा:

- कानून-प्रवर्तन एजेंसियों के बीच अनौपचारिक सहयोग को मजबूत करना।
- भगोड़े आर्थिक अपराधियों का पता लगाने में सुधार करना।
- प्रत्यर्पण और संपत्ति वसूली की सुविधा प्रदान करना।
- ब्रिक्स देशों के बीच समय पर सूचना साझा करना बढ़ाना।
- औपचारिक पारस्परिक कानूनी सहायता संधि (एमएलएटी) तंत्र का पूरक बनाना।

अन्य प्रमुख परिणाम:

बैठक भी:

- भगोड़े अपराधियों का पता लगाने के लिए अनौपचारिक सहयोग पर ब्रिक्स रिपॉजिटरी का स्वागत किया।
- संपत्ति वसूली जांच के लिए अनुमोदित मानकीकृत सूचना-साझाकरण प्रारूप।
- भ्रष्टाचार से निपटने में प्रौद्योगिकी, पारदर्शिता और सुशासन के उपयोग पर जोर दिया।
- भ्रष्टाचार विरोधी और वित्तीय खुफिया एजेंसियों के बीच व्यवसायी स्तर के सहयोग को बढ़ावा दिया।

BRICS भ्रष्टाचार विरोधी कार्य समूह (ACWG) के बारे में:

- ब्रिक्स भ्रष्टाचार विरोधी कार्य समूह ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है:

- भ्रष्टाचार को रोकें और उसका मुकाबला करें।

- परिसंपत्ति वसूली तंत्र को मजबूत करें।

- अंतर्राष्ट्रीय कानूनी सहयोग में सुधार।

- भ्रष्टाचार विरोधी शासन में सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान करना।

- पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देना।

ब्रिक्स के बारे में:

- पूर्ण रूप: ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका (विस्तारित समूह)

- स्थापित: 2009

- भारत की अध्यक्षता: 2026

- 2026 थीम: लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण

DoPT के बारे में:

- कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के तहत कार्य करता है।

- कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्री: नरेंद्र मोदी, भारत के प्रधान मंत्री

- कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन राज्य मंत्री: जितेंद्र सिंह,

कार्य:

- कार्मिक प्रशासना

- सिविल सेवा सुधार।

- सिविल सेवकों का प्रशिक्षण।

- सतर्कता और भ्रष्टाचार विरोधी समन्वय।

- प्रशासनिक सुधार।

केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी)

- स्थापित: 1964 (2003 में वैधानिक स्थिति)

- अधिनियम: केंद्रीय सतर्कता आयोग अधिनियम, 2003

- भूमिका: केंद्र सरकार के संगठनों में भ्रष्टाचार से निपटने के लिए शीर्ष सतर्कता संस्थान

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988:

- भारत में प्रमुख भ्रष्टाचार विरोधी कानून।

- जवाबदेही और भ्रष्टाचार विरोधी उपायों को मजबूत करने के लिए 2018 में संशोधित।

भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम, 2018:

- भारतीय अधिकार क्षेत्र से बचने वाले आर्थिक अपराधियों की संपत्तियों को जब्त करने में सक्षम बनाता है।

- ₹100 करोड़ या उससे अधिक के आर्थिक अपराधों में शामिल अपराधियों को लक्षित करता है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- ब्रिक्स भ्रष्टाचार विरोधी कार्य समूह कानून-प्रवर्तन नेटवर्क के लिए भारत के प्रस्ताव पर सहमत

- स्थान: हैदराबाद।

- मेज़बान: कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी)।

- उद्देश्य: भगोड़े अपराधियों का पता लगाना और प्रत्यर्पण का समर्थन करना।

- भारत की ब्रिक्स थीम (2026): लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण।

- संबंधित कानून: भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988

- संबंधित संस्थान: केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी)।

मैसाचुसेट्स और बोस्टन ने 15 अगस्त को 'भारत दिवस' के रूप में घोषित किया

- मैसाचुसेट्स के राष्ट्रमंडल और बोस्टन शहर (यूएसए) ने आधिकारिक तौर पर 15 अगस्त 2026 को भारत के 79वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में "भारत दिवस" के रूप में घोषित किया है और भारतीय-अमेरिकी समुदाय के महत्वपूर्ण योगदान को मान्यता दी है।

- मैसाचुसेट्स की गवर्नर मौरा हीली और बोस्टन की मेयर मिशेल वू ने ये घोषणाएं जारी कीं।

- यह घोषणा बोस्टन में भारतीय वाणिज्य दूतावास के उद्घाटन और सेलबोस्टन-250 समारोह के दौरान भारतीय नौसेना नौकायन पोत (आईएनएस) सुदर्शनी की यात्रा के साथ भी मेल खाती है।

भारतीय डायस्पोरा के बारे में

- भारत में दुनिया का सबसे बड़ा प्रवासी है।

महत्वपूर्ण तथ्य

- भारतीय मूल के 36 मिलियन से अधिक लोग विदेशों में रहते हैं।
- संयुक्त राज्य अमेरिका में भारतीय मूल के 5 मिलियन से अधिक लोग रहते हैं।
- प्रवासी भारतीय दुनिया भर में नवाचार, उद्यमिता, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सार्वजनिक सेवा में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।



INS सुदर्शनी के बारे में:

- आईएनएस सुदर्शनी भारतीय नौसेना का एक सेल प्रशिक्षण जहाज है।
- गोवा शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा निर्मित।
- 2012 में कमीशन किया गया।
- नौसेना कैडेटों के प्रशिक्षण, समुद्री कूटनीति और मित्र राष्ट्रों की सद्भावना यात्राओं के लिए उपयोग किया जाता है।

भारत-संयुक्त राज्य अमेरिका संबंध

- भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका एक व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी साझा करते हैं।

सहयोग के प्रमुख क्षेत्र:

- रक्षा और सुरक्षा।
- व्यापार और निवेश।
- विज्ञान और प्रौद्योगिकी।
- अंतरिक्ष सहयोग।
- स्वच्छ ऊर्जा।

- शिक्षा और लोगों से लोगों का आदान-प्रदान।

संयुक्त राज्य अमेरिका में भारतीय वाणिज्य दूतावास:

भारत के राजनयिक मिशन हैं:

- वाशिंगटन, डीसी (दूतावास)
- न्यूयॉर्क
- सैन फ्रांसिस्को
- शिकागो
- ह्यूस्टन
- अटलांटा
- बोस्टन (नया खोला गया)

प्रवासी भारतीय दिवस (पीबीडी):

- मनाया गया: हर साल 9 जनवरी।
- महात्मा गांधी के 1915 में दक्षिण अफ्रीका से लौटने की याद में।
- प्रवासी भारतीयों के योगदान का जश्न मनाता है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- अमेरिकी राज्य: मैसाचुसेट्स।
- शहर: बोस्टन।
- अवसर: 15 अगस्त को भारत दिवस के रूप में घोषित किया जाता है।
- राज्यपाल: मौरा हीली।
- महापौर: मिशेल वू।
- भारतीय नौसेना का जहाज: आईएनएस सुदर्शनी।
- भारतीय प्रवासी: विश्व स्तर पर 36 मिलियन से अधिक।
- प्रवासी भारतीय दिवस : 9 जनवरी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कंप्रेसड बायोगैस उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए 23,731 करोड़ रुपये की गोबरधन योजना को मंजूरी दी

यह खबरों में क्यों है?

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 23,731 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ गोबरधन (गैल्वनाइजिंग ऑर्गेनिक बायो-एग्रो रिसोर्सेज धन) योजना को मंजूरी दे दी है। इस योजना का उद्देश्य जैविक कचरे से संपीड़ित बायोगैस (CBG) के उत्पादन

को बढ़ावा देना, अपशिष्ट प्रबंधन में सुधार करना, किसानों की आय में वृद्धि करना और भारत के स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण का समर्थन करना है।

मुख्य बिंदु

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 23,731 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ गोबरधन योजना को मंजूरी दी।

- यह योजना देश भर में संपीड़ित बायोगैस (सीबीजी) संयंत्रों की स्थापना को बढ़ावा देगी।
- यह मवेशियों के गोबर, कृषि अवशेषों, नगरपालिका के ठोस कचरे और अन्य बायोडिग्रेडेबल कचरे को स्वच्छ ऊर्जा में परिवर्तित करने पर केंद्रित है।
- इस पहल का उद्देश्य अपशिष्ट प्रबंधन, स्वच्छता और पर्यावरणीय स्थिरता में सुधार करना है।
- यह नवीकरणीय ऊर्जा उत्पन्न करेगा, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करेगा और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा करेगा।
- सीबीजी संयंत्रों को जैविक कचरे की आपूर्ति करके किसानों को अतिरिक्त आय के माध्यम से लाभ होगा।



गोबरधन योजना क्या है?

- गोबरधन (गैल्वनाइजिंग ऑर्गेनिक बायो-एग्रो रिसोर्सेज धन) योजना 2018 में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत शुरू की गई थी। यह बायोडिग्रेडेबल कचरे को संपीड़ित बायोगैस (सीबीजी), बायोगैस, जैव-घोल और जैविक खाद जैसे उपयोगी उत्पादों में परिवर्तित करके उसके वैज्ञानिक प्रबंधन को बढ़ावा देता है।

कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) क्या है?

- कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) जैविक कचरे जैसे मवेशियों के गोबर, फसल अवशेषों, खाद्य अपशिष्ट और सीवेज से उत्पादित बायोगैस का एक शुद्ध रूप है। इसमें संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) के समान गुण हैं और इसका

उपयोग वाहनों, उद्योगों और घरों के लिए स्वच्छ ईंधन के रूप में किया जा सकता है।

महत्व

- यह योजना जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने, ग्रामीण आजीविका में सुधार करने, अपशिष्ट प्रबंधन को मजबूत करने, एक चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और भारत के जलवायु और स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों में योगदान करने में मदद करेगी। यह SATAT (किफायती परिवहन की दिशा में सतत विकल्प) और राष्ट्रीय जैव ऊर्जा कार्यक्रम जैसी पहलों का भी समर्थन करता है।

परीक्षा फोकस पॉइंट

• योजना: गोबरधन (गैल्वनाइजिंग ऑर्गेनिक बायो-एग्रो रिसोर्सेज धन)।
• द्वारा स्वीकृत: केंद्रीय मंत्रिमंडल।
• कुल परिश्रम: ₹23,731 करोड़
• शुरू किया गया: 2018।
• स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत कार्यान्वित किया गया।
• मुख्य उत्पाद: संपीड़ित बायोगैस (सीबीजी)।
• फीडस्टॉक: मवेशियों का गोबर, फसल अवशेष, नगरपालिका ठोस अपशिष्ट, और अन्य बायोडिग्रेडेबल अपशिष्ट।
• उद्देश्य: अपशिष्ट प्रबंधन, नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन और किसानों की आय में वृद्धि।

आगे की राह

- सीबीजी बुनियादी ढांचे का विस्तार करने, निजी निवेश को प्रोत्साहित करने, अपशिष्ट संग्रह प्रणालियों को मजबूत करने और जन जागरूकता बढ़ाने से भारत को स्वच्छ ऊर्जा, बेहतर अपशिष्ट प्रबंधन और सतत ग्रामीण विकास हासिल करने में मदद मिलेगी।

एफसीआरए संशोधन विधेयक 2026 में विदेशी वित्त पोषित संगठनों की कड़ी निगरानी की मांग की गई है



यह खबरों में क्यों है?

- विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 ने केंद्र सरकार द्वारा विदेशी वित्त पोषित परिसंपत्तियों के प्रबंधन को विनियमित करने और विदेशी योगदान प्राप्त करने वाले संगठनों की निगरानी को मजबूत करने के लिए नए प्रावधानों का प्रस्ताव करने के बाद राजनीतिक बहस छेड़ दी है। सरकार का कहना है कि परिवर्तनों से पारदर्शिता और जवाबदेही में सुधार होगा, जबकि आलोचकों को डर है कि वे गैर सरकारी संगठनों पर सरकारी नियंत्रण बढ़ा सकते हैं।

मुख्य बिंदु

- यह विधेयक विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए), 2010 में संशोधन करता है।
- यह विदेशी वित्त पोषित परिसंपत्तियों के प्रबंधन और सुरक्षा के लिए एक तंत्र पेश करता है जब किसी संगठन का एफसीआरए पंजीकरण समाप्त हो जाता है, रद्द कर दिया जाता है, या निलंबित कर दिया जाता है।
- एक नामित प्राधिकारी ऐसी परिसंपत्तियों के प्रबंधन और निपटान की निगरानी कर सकता है।
- सरकार का कहना है कि संशोधनों से विदेशी धन के उपयोग में पारदर्शिता, जवाबदेही और नियामक स्पष्टता में सुधार होगा।
- विपक्षी दलों और कई नागरिक समाज संगठनों ने विधेयक का विरोध करते हुए तर्क दिया है कि यह सरकार को गैर सरकारी संगठनों और धर्मार्थ संगठनों पर अधिक नियंत्रण देता है।

एफसीआरए क्या है?

- विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए), 2010 व्यक्तियों, संघों और गैर सरकारी संगठनों द्वारा विदेशी योगदान और विदेशी आतिथ्य की स्वीकृति और उपयोग को नियंत्रित करता है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि विदेशी फंडिंग राष्ट्रीय सुरक्षा, सार्वजनिक हित या भारत की संप्रभुता और अखंडता पर प्रतिकूल प्रभाव न डाले।

संशोधन विधेयक में नया क्या है?

- पहले के प्रावधान नए प्रावधान (2026 बिल)
- किसी एनजीओ के एफसीआरए पंजीकरण से बाहर होने के बाद विदेशी वित्त पोषित परिसंपत्तियों को संभालने के लिए कोई स्पष्ट ढांचा नहीं है। विदेशी वित्त पोषित परिसंपत्तियों की निगरानी, प्रबंधन और निपटान के लिए एक नामित प्राधिकरण का परिचय देता है।
- पंजीकरण समाप्त होने या रद्द होने के बाद संपत्ति की अभिरक्षा के संबंध में सीमित कानूनी स्पष्टता। ऐसी परिसंपत्तियों की सुरक्षा और प्रबंधन के लिए एक औपचारिक कानूनी तंत्र बनाता है।
- मुख्य रूप से विदेशी अंशदान की प्राप्ति और उपयोग को विनियमित करने पर ध्यान केंद्रित करना। विदेशी योगदान का उपयोग करके बनाई गई

परिसंपत्तियों के प्रबंधन को शामिल करने के लिए निरीक्षण का विस्तार करता है।

महत्व

- विधेयक यह सुनिश्चित करके विदेशी वित्त पोषित संगठनों के शासन को मजबूत करने का प्रयास करता है कि विदेशी योगदान का उपयोग करके बनाई गई संपत्ति सुरक्षित रहे और कानूनी प्रावधानों के अनुसार उपयोग की जाए। हालांकि, इसने एनजीओ की परिचालन स्वायत्तता के साथ नियामक निगरानी को संतुलित करने पर बहस भी शुरू कर दी है।

परीक्षा फोकस पॉइंट

• विधेयक: विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026
• अधिनियम संशोधित: विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम, 2010
• मंत्रालय: गृह मंत्रालय।
• मुख्य उद्देश्य: विदेशी अंशदानों की पारदर्शिता और विनियमन को मजबूत करना।
• मुख्य प्रावधान: एफसीआरए पंजीकरण समाप्त होने, रद्द होने या निलंबित होने के बाद विदेशी वित्त पोषित परिसंपत्तियों का प्रबंधन करने के लिए नामित प्राधिकारी।
• विनियमन: विदेशी योगदान और विदेशी आतिथ्य।
• बहस का कारण: सरकार पारदर्शिता का हवाला देती है; आलोचकों ने एनजीओ पर बढ़ते नियंत्रण पर चिंता जताई है।

आगे की राह

- विधेयक के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए पारदर्शी प्रक्रियाओं, स्वतंत्र निगरानी और राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिक समाज संगठनों के वैध कामकाज के बीच संतुलन की आवश्यकता होगी। यह विदेशी वित्त पोषित संस्थाओं के विनियमन में जनता का विश्वास बनाए रखते हुए जवाबदेही सुनिश्चित करने में मदद कर सकता है।

भारतीय रेलवे ने कंटेनर ट्रेन ऑपरेटरों के लिए एकल अखिल भारतीय लाइसेंस को मंजूरी दी



- रेल मंत्रालय ने कंटेनर ट्रेन ऑपरेटरों (सीटीओ) के लिए एकल अखिल भारतीय लाइसेंस शुरू करते हुए मॉडल रियायत समझौते (एमसीए) में महत्वपूर्ण संशोधनों को मंजूरी दे दी है।
- नई नीति के तहत, सीटीओ पूरे भारतीय रेलवे नेटवर्क में 25 करोड़ रुपये के एक समान पंजीकरण शुल्क के साथ कंटेनर ट्रेनों का संचालन कर सकते हैं, जो पहले की मार्ग-वार लाइसेंसिंग प्रणाली का स्थान लेता है।
- सुधारों का उद्देश्य नियमों को सरल बनाना, निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित करना, लॉजिस्टिक्स दक्षता में सुधार करना और सड़क से रेल की ओर माल ढुलाई को बढ़ावा देना है।

कंटेनर ट्रेन ऑपरेटर (सीटीओ) क्या हैं?

- कंटेनर ट्रेन ऑपरेटर निजी या सार्वजनिक संस्थाएं हैं जिन्हें भारतीय रेलवे नेटवर्क पर कंटेनर ट्रेनों का संचालन करने के लिए रेल मंत्रालय द्वारा अधिकृत किया गया है।

कार्य:

- परिवहन निर्यात-आयात (एक्जिम) कार्गो।
- घरेलू कंटेनरीकृत माल ढुलाई को स्थानांतरित करें।
- रसद दक्षता में सुधार करें।
- एंड-टू-एंड मल्टीमॉडल फ्रेट सेवाएं प्रदान करें।

मॉडल रियायत समझौते (MCA) के बारे में:

- मॉडल रियायत करार (एमसीए) कंटेनर ट्रेन ऑपरेटरों के लाइसेंसिंग और प्रचालन को नियंत्रित करता है।

मुख्य परिवर्तन:

- एकल अखिल भारतीय लाइसेंस की शुरुआत।
- ₹25 करोड़ का वर्दी पंजीकरण शुल्क।
- रूट-कैटेगरी बेस्ड लाइसेंस हटाना।
- लाइसेंस नवीनीकरण के लिए कोई विस्तार शुल्क नहीं।
- संतोषजनक प्रदर्शन के आधार पर अतिरिक्त 20 वर्षों के लिए लाइसेंस नवीनीकरणीय।

रेल आधारित माल परिवहन के लाभ:

- कम रसद लागत।
- उच्च ईंधन दक्षता।
- ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी।
- सड़क की भीड़भाड़ कम होना।
- सुरक्षित और अधिक टिकाऊ परिवहन।
- आपूर्ति श्रृंखला विश्वसनीयता में सुधार।

अतिरिक्त तथ्य:

- पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान
- शुरू किया गया: 2021।
- उद्देश्य: मल्टीमॉडल बुनियादी ढांचे की एकीकृत योजना।
- बेहतर कनेक्टिविटी के माध्यम से लॉजिस्टिक्स दक्षता में सुधार पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (DFC):

- भारत में दो परिचालन समर्पित फ्रेट कॉरिडोर हैं:
- वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डब्ल्यूडीएफसी): दादरी (उत्तर प्रदेश) से जवाहरलाल नेहरू पोर्ट (महाराष्ट्र)।
- ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (ईडीएफसी): लुधियाना (पंजाब) से दनकुनी (पश्चिम बंगाल)।
- इन कॉरिडोर को डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (DFCCIL) द्वारा माल ढुलाई क्षमता बढ़ाने और पारगमन समय को कम करने के लिए विकसित किया गया है।

भारतीय रेलवे के बारे में:

- स्थापना: 16 अप्रैल 1853
- मुख्यालय: रेल भवन, नई दिल्ली
- अध्यक्ष और सीईओ: सतीश कुमार

परीक्षा फोकस बिंदु:

- सुधार: कंटेनर ट्रेन ऑपरेटरों के लिए एकल अखिल भारतीय लाइसेंस।
- पंजीकरण शुल्क: ₹25 करोड़।
- लाइसेंस वैधता विस्तार: अतिरिक्त 20 वर्ष।
- संबंधित समझौता: मॉडल रियायत समझौता।
- उद्देश्य: व्यापार करने में आसानी और रेल माल ढुलाई को बढ़ावा देना।
- संबंधित पहल: पीएम गति शक्ति।
- फ्रेट कॉरिडोर एजेंसी: डीएफसीसीआईएल।

लेट्स रिवाइज

- ❖ एयर इंडिया के नए सीईओ और प्रबंध निदेशक के रूप में किसे नियुक्त किया गया है? **टेवोल्डे गेब्रेमरियम**
- ❖ एयर इंडिया में शामिल होने से पहले टेवोल्डे गेब्रेमरियम ने किस एयरलाइन का नेतृत्व किया था? **इथियोपियाई एयरलाइंस**
- ❖ एयर इंडिया के सीईओ के रूप में टेवोल्डे गेब्रेमरियम ने किसके स्थान पर सफलता हासिल की है? **कैपबेल विल्सन**
- ❖ एयर इंडिया का मालिक कौन सा व्यावसायिक समूह है? **टाटा समूह**
- ❖ कौन सा संगठन तीन और दूसरी पीढ़ी के NavIC उपग्रहों को लॉन्च करने की योजना बना रहा है? **भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो)**
- ❖ NavIC का क्या अर्थ है? **भारतीय नक्षत्र के साथ नेविगेशन**
- ❖ किस संगठन ने NavIC प्रणाली विकसित की? **इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन)**
- ❖ NavIC का कवरेज क्षेत्र क्या है? **भारत और अपनी सीमाओं से 1,500 किमी तक की दूरी तय कर रहा है।**
- ❖ उपग्रह नेविगेशन में PNT का पूर्ण रूप क्या है? **पोजिशनिंग, नेविगेशन और टाइमिंग**
- ❖ कौन से दो देश होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से एक नए शिपिंग मार्ग पर सहमत हुए हैं? **ईरान और ओमान**
- ❖ ईरान-ओमान समझौते के केंद्र में कौन सा रणनीतिक जलमार्ग है? **होर्मुज जलडमरूमध्य**
- ❖ भारत के वर्तमान कैबिनेट सचिव कौन हैं? **टीवी सोमनाथन**
- ❖ भारत के वर्तमान केंद्रीय गृह सचिव कौन हैं? **गोविंद मोहन**
- ❖ किस निकाय ने टीवी सोमनाथन और गोविंद मोहन के एक साल के विस्तार को मंजूरी दी? **मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी)**
- ❖ बड़ौदा बीएनपी परिबास म्यूचुअल फंड के नए सीईओ के रूप में किसे नियुक्त किया गया है? **मधु नायर**
- ❖ किस संगठन ने मधु नायर को अपना सीईओ नियुक्त किया है? **बड़ौदा बीएनपी पारिबा म्यूचुअल फंड**
- ❖ बड़ौदा बीएनपी परिबास म्यूचुअल फंड का प्राथमिक व्यवसाय क्या है? **म्यूचुअल फंड योजनाओं के माध्यम से परिसंपत्ति प्रबंधन**
- ❖ बड़ौदा बीएनपी परिबास म्यूचुअल फंड किन दो संगठनों के बीच एक संयुक्त उद्यम है? **बैंक ऑफ बड़ौदा और बीएनपी परिबास एसेट मैनेजमेंट**

- ❖ SUN (सन अंडरवॉच नेटवर्क) परियोजना का प्राथमिक उद्देश्य क्या है? बेहतर अंतरिक्ष मौसम की भविष्यवाणी के लिए सौर तूफानों की निगरानी और पूर्वानुमान लगाना।
- ❖ SUN प्रोजेक्ट के तहत उपयोग किया जाने वाला टेलीस्कोप कहाँ स्थित है? माउंट वीना, हवाई (यूएसए)।
- ❖ सौर तूफान क्या हैं? सौर ज्वालाओं और कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) के कारण होने वाली गड़बड़ी जो आवेशित कणों और विकिरण को अंतरिक्ष में छोड़ती है।
- ❖ SUN परियोजना के तहत किन दो प्रमुख सौर घटनाओं की निगरानी की जाती है? सोलर फ्लेयर्स और कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई)।
- ❖ किस शहर ने 2026 में ब्रिक्स भ्रष्टाचार विरोधी कार्य समूह की दूसरी बैठक की मेजबानी की? हैदराबाद।
- ❖ किस अमेरिकी राज्य ने 2026 में 15 अगस्त को "भारत दिवस" के रूप में घोषित किया है? मैसाचुसेट्स।
- ❖ केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा ₹23,731 करोड़ के परिव्यय के साथ किस योजना को मंजूरी दी गई है? गोबरधन (गैल्वनाइजिंग ऑर्गेनिक बायो-एग्रो रिसोर्सेज धन) योजना।
- ❖ गोबरधन योजना के लिए स्वीकृत कुल वित्तीय परिव्यय क्या है? ₹23,731 करोड़।
- ❖ गोबरधन का क्या अर्थ है? जैविक जैव-कृषि संसाधन धन को प्रेरित करना।
- ❖ गोबरधन योजना कब शुरू की गई थी? 2018.
- ❖ SATAT का क्या अर्थ है? कृषिपरिवहन की दिशा में सतत विकल्प।
- ❖ विदेशी वित्त पोषित संगठनों के विनियमन को मजबूत करने के लिए हाल ही में कौन सा विधेयक पेश किया गया है? विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026
- ❖ FCRA संशोधन विधेयक, 2026 किस अधिनियम में संशोधन करना चाहता है? विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए), 2010
- ❖ एफसीआरए का पूर्ण रूप क्या है? विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम।
- ❖ विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम कब अधिनियमित किया गया था? 2010.



The **ACHIEVERS** IAS ACADEMY PATNA

Daily **NEWS CHRONICLE**

IMPORTANCE OF CURRENT AFFAIRS IN UPSC EXAMINATIONS

Current Affairs hold a crucial place in the preparation for the UPSC Civil Services Examination. A comprehensive understanding of recent national and international developments helps aspirants strengthen their General Studies foundation and develop a well-rounded perspective on important issues. Topics such as government policies, schemes, economy, international relations, science and technology, environment, defence, social justice, governance, reports, indices, appointments, awards, and major global events are highly relevant for both the Prelims and Mains examinations. Regular study of current affairs not only enhances factual knowledge but also improves analytical ability, critical thinking, answer-writing skills, and decision-making aptitude. Since UPSC questions often connect contemporary developments with static subjects, consistent preparation of current affairs enables aspirants to understand issues in depth and present balanced, informed, and relevant answers. It also plays an important role in Essay writing, Ethics, and the Personality Test, giving candidates a strong edge throughout the examination process.

CONTACT US



+91 8434931877



achievers_ias_patna



PATLIPUTRA GOLAMBAR



ACHIEVERS IAS ACADEMY (UPSC/BPSC)



achieversiaspatna@gmail.com



Achievers IAS Academy



www.achieversiaspatna.co.in



Achievers IAS Academy, PATNA